NAVBHARAT TIMES, Mumbai, 7.1.2019
Page No. 1, Size:(8.69)cms X (18.12)cms.

आधार ने बिचौलियों से बचाए जनता के ₹90 हजार करोड़

■ **भाषा, नई दिल्ली:** सरकार का अनुमान है कि आधार के उपयोग से पिछले कुछ वर्षों में 90,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है। यह आंकड़ा मार्च, 2018 तक का है। कई डुप्लिकेट, अज्ञात और फर्जी लाभार्थियों को समाप्त कर दिया गया है। वर्ल्ड बैंक की तैयार डिजिटल डिविडेंड रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत आधार के इस्तेमाल से हर साल 77,000 करोड़ रुपये बचा सकता है। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा कि आधार के माध्यम से हुई वित्तीय बचत से आयुष्मान भारत जैसी तीन योजनाओं को फंडिंग दी जा सकती है। भारत सरकार के आधार को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने सोशल मीडिया से विस्तार से लिखा।

आधार पर अरुण जेटली ने लिखा कि पिछले 28 महीनों में 122 करोड़ से ज्यादा आधार नंबर जारी किए गए हैं। डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी) ने कई राज्य सहायता योजनाओं को आधार से जोड़ा है।

“आधार की बचत से आयुष्मान भारत जैसी तीन योजनाओं को फंडिंग दी जा सकती है।
- अरुण जेटली, वित्त मंत्री

‘लाभ सीधे बैंकों में’

जेटली ने दावा किया है कि आधार के माध्यम से सब्सिडी लेन-देन की कुल संख्या लगभग 425 करोड़ है। बिचौलियों के खात्मे से लाभ सीधे बैंक खातों में जाता है। यह केवल भारत में लागू की गई एक अनोखी तकनीक है।

‘आधार के ये फायदे’: वित्त मंत्री के अनुसार, पहल और उज्ज्वला लाभार्थियों के 22.80 करोड़ को उनके आधार लिंक्ड बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से रसोई गैस सब्सिडी दी जाती है। 58.24 करोड़ राशन कार्ड धारक आधार से जुड़े हुए हैं। 10.33 करोड़ मनरेगा कार्ड धारकों को उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से मजदूरी भुगतान मिलता है। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के 1.93 करोड़ लाभार्थी और अन्य लाभार्थी हैं। आयकर विभाग ने पहले ही 21 करोड़ पैन कार्डधारकों को उनकी आधार संख्या के साथ जोड़ा है।